PAPER-III
SANSKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

J	2	5	1	6

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________________

(In words)

Time : 2 ½ hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen provided by C.B.S.E.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल C.B.S.E. द्वारा प्रदान किये गये काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

www.examrace.com

SANSKRIT
संस्कृतम्
Paper – III
प्रश्नपत्रम् – III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

सूचना : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चसप्ततिः (75)** बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः सन्ति । प्रत्येकं प्रश्नस्य **अङ्कद्वयं** वर्तते । **सर्वे** प्रश्नाः समाधेयाः ।

1. ऋग्वेदीय-नासदीयसूक्तस्य (10.129) ऋषिरस्ति –

(1) प्रजापतिः परमेष्ठी
(2) सुकीर्तिः काक्षीवतः
(3) यज्ञः प्राजापत्यः
(4) कुल्मलबर्हिषः

2. अथर्ववेदस्य पृथिवीसूक्ते (12.1) कति मन्त्राः सन्ति ?

(1) 23
(2) 33
(3) 53
(4) 63

3. सृष्ट्युत्पत्तिविषयकं सूक्तमस्ति ऋग्वेदे –

(1) पुरुषसूक्तम् (10.90)
(2) अग्निसूक्तम् (1.1)
(3) इन्द्रसूक्तम् (2.12)
(4) वाक्सूक्तम् (10.125)

4. 'शुनःशेपम्' इत्याख्यानं कस्मिन् ग्रन्थे प्राप्यते ?

(1) कौषीतकिब्राह्मणग्रन्थे
(2) ऐतरेयब्राह्मणग्रन्थे
(3) सामविधानब्राह्मणग्रन्थे
(4) ऐतरेयारण्यकग्रन्थे

5. महर्षिणा दयानन्देन कस्य वेदस्य भाष्यं कृतमस्ति ?

(1) पैप्पलादसंहितायाः
(2) शौनकसंहितायाः
(3) काण्वसंहितायाः
(4) वाजसनेयिमाध्यन्दिनसंहितायाः

6. 'शतायुषः पुत्रपौत्रान् वृणीष्व बहून् पशून् हस्ति-हिरण्यमश्वान्' इति कथनमस्ति –

(1) वाजश्रवसः
(2) नचिकेतसः
(3) यमराजस्य
(4) याज्ञवल्क्यस्य

7. अधोऽङ्कितेषु एकमसत्यमस्ति –

(1) 'विद्यां च अविद्यां च यस्तद्वेदोभयं सह' इति ईशोपनिषदि वर्तते ।
(2) ईशोपनिषद् तैत्तिरीयशाखाया वर्तते ।
(3) याज्ञवल्क्य - मैत्रेयी-संवादो बृहदारण्यकोपनिषदि वर्तते ।
(4) नचिकेतसः वर्णनं कठोपनिषदि वर्तते ।

www.examrace.com

8. (क) 'शिक्षावल्ली' कठोपनिषदि वर्तते ।

(ख) शिक्षावल्याम् गुरुसम्बन्धितो व्यवहारो निरूपित: ।

अनयो: कथनयोर्विषये उचितं युग्मं चिनुत ।

(1) (क) असत्यम् (ख) सत्यम्
(2) (क) सत्यम् (ख) असत्यम्
(3) उभे सत्ये स्त: ।
(4) उभे असत्ये स्त: ।

9. 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' इत्युद्धरणं कुत्र वर्तते ?

(1) केनोपनिषदि
(2) कठोपनिषदि
(3) तैत्तिरीयोपनिषदि
(4) बृहदारण्यकोपनिषदि

10. अधोलिखितानां केन सह कस्य सम्बन्ध: ? इति समीचीनां तालिकां चिनुत ।

(a)	मा गृध: कस्यस्विद्धनम्	(i)	केनोपनिषद्
(b)	उमाया उपदेश:	(ii)	बृहदारण्यकोपनिषद्
(c)	अथ शीक्षां व्याख्यास्याम:	(iii)	ईशोपनिषद्
(d)	आत्मा वाऽरे द्रष्टव्यो मन्तव्य: श्रोतव्यो निदिध्यासितव्य: ।	(iv)	तैत्तिरीयोपनिषद्

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(2)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

11. षड्वेदाङ्गेषु किम् न गण्यते ?

(1) निरुक्तम्
(2) छन्दस्
(3) मीमांसा
(4) कल्प:

12. यास्कमते पदानां प्रकारा: कति भवन्ति ?

(1) चत्वार:
(2) पञ्च
(3) द्वौ
(4) षड्

13. षड्भावविकारेषु कतमो नास्ति ?

(1) जायते
(2) नश्यति
(3) वर्धते
(4) स्मरति

www.examrace.com

14. याज्ञवल्क्यशिक्षा केन वेदेन सम्बद्धा अस्ति ?

(1) ऋग्वेदेन (2) यजुर्वेदेन

(3) सामवेदेन (4) अथर्ववेदेन

15. 'नैगमकाण्डम्' कस्मिन् ग्रन्थे वर्तते ?

(1) आपस्तम्बगृह्यसूत्रे (2) निरुक्ते

(3) गौतमधर्मसूत्रे (4) बौधायनधर्मसूत्रे

16. 'सिद्धे शब्दार्थसम्बन्धे' इति भाष्यवार्त्तिके नित्यपर्यायवाची 'सिद्ध' शब्द एवोपात्तो, न त्वसन्दिग्धो 'नित्य' शब्दस्तत्र को हेतु: ?

(1) अवधारणार्थे 'सिद्ध' शब्दप्रयोगात्

(2) पूर्वपदलोप-परकस्य 'सिद्ध' शब्दस्य प्रयोगात्

(3) व्याख्यानतो विशेषप्रतिपत्ते: 'सिद्ध' शब्दस्य नित्यार्थकत्वात्

(4) नित्यपर्यायिण: 'सिद्ध' शब्दस्य मङ्गलार्थत्वादपि

17. 'वृत्तिसमवायार्थो वर्णानामुपदेश:' इत्यत्र 'समवाय' शब्दस्य कोऽर्थ: ?

(1) नित्यसम्बन्ध: (2) समूह:

(3) वर्णानामानुपूर्व्येण सन्निवेश: (4) वृत्तिनियामकसम्बन्ध:

18. अधोलिखितप्रयोगेषु 'इण: षीध्वं-लुङ् - लिटां धोऽङ्गात्' इति भ्वादिगणीयसूत्रस्योदाहरणं किमस्ति ?

(1) एधध्वे (2) एधाञ्चकृढ्वे

(3) एधिष्यध्वे (4) एधध्वम्

19. एषु शुद्धो मत्वर्थीयप्रयोग: क: ?

(1) विद्युद्वान् (2) विद्युद्मान्

(3) विद्युत्वान् (4) विद्युत्मान्

20. 'वास्तव्य:' इत्यत्र 'वस्' धातो: 'तव्यत्' प्रत्ययो भवति कस्मिन्नर्थे ?

(1) कर्तरि (2) कर्मणि

(3) भावे (4) स्वार्थे

21. निम्नलिखितेषु शब्देषु अर्थसंकोचस्य उदाहरणं किमस्ति ?

(1) सिंह: (2) वृक:

(3) कुशल: (4) मृग:

www.examrace.com

22. निम्नलिखितेषु को ध्वनिः महाप्राणो नास्ति ?

(1) ध् (2) भ्

(3) ह् (4) ड्

23. ऐश्वर्यम् कस्य लक्षणम् भवति ?

(1) रजोगुणस्य (2) सत्त्वगुणस्य

(3) तमोगुणस्य (4) पुरुषस्य

24. वेदान्तसारानुसारं तितिक्षायाः किं लक्षणम् अस्ति ?

(1) विहितानां कर्मणां विधिना परित्यागः (2) मोक्षेच्छा

(3) शीतोष्णादिद्वन्द्वसहिष्णुता (4) जन्ममरणबन्धनात् मुक्तिः

25. 'अथातो धर्मजिज्ञासा' इति जैमिनीयसूत्रे वेदाध्ययनस्य दृष्टार्थत्वं को ब्रूते ?

(1) 'अथ' शब्दः (2) 'अतः' शब्दः

(3) 'धर्म' शब्दः (4) 'जिज्ञासा' शब्दः

26. 'आदित्यो यूपः' इत्यत्र किंविधोऽर्थवादः ?

(1) भूतार्थवादः (2) अनुवादः

(3) निषेधशेषः (4) गुणवादः

27. 'यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्' इति उक्तिः कस्य विषये ?

(1) योगवासिष्ठस्य (2) श्रीमद्भागवतस्य

(3) महाभारतस्य (4) मृच्छकटिकस्य

28. श्रीमद्भगवद्गीता महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि वर्तते ?

(1) कर्ण-पर्वणि (2) भीष्म-पर्वणि

(3) अनुशासन-पर्वणि (4) शान्ति-पर्वणि

29. वाल्मीकिरामायणानुसारं दशरथस्य पुत्रेष्टियज्ञे पुरोहित आसीत् –

(1) वसिष्ठः (2) ऋष्यशृङ्गः

(3) भारद्वाजः (4) विश्वामित्रः

30. वाल्मीकिरामायणानुसारं शम्बूकः केन हतः ?

(1) दशरथेन (2) रामेण

(3) परशुरामेण (4) भरतेन

www.examrace.com

31. महापुराणेषु न गण्यते –

(1) एकाम्रपुराणम् (2) ब्रह्मपुराणम्

(3) लिङ्गपुराणम् (4) पद्मपुराणम्

32. कौटिल्यानुसारं मानवा: कां विद्यां पृथक् न मन्यन्ते ?

(1) आन्वीक्षिकीम् (2) त्रयीम्

(3) वार्ताम् (4) दण्डनीतिम्

33. कौटिल्यानुसारं त्रयीं के संवरणमात्रं मन्यन्ते ?

(1) मानसा: (2) मानवा:

(3) बार्हस्पत्या: (4) औशनसा:

34. मनुसंहितानुसारं एषु किं ब्राह्मणस्य कर्म न भवति ?

(1) अध्यापनम् (2) प्रजारक्षणम्

(3) यजनम् (4) याजनम्

35. मनुसंहितानुसारं सचिवानां संख्या भवेत् –

(1) 3 – 4 (2) 5 – 6

(3) 7 – 8 (4) 9 – 10

36. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारं रिक्ते स्थाने क: शब्द: उपयुक्त: – 'दर्शने प्रत्यये दाने _______ विधीयते ।'

(1) व्यवहार: (2) प्रातिभाव्यम्

(3) ऋणादानम् (4) वाक्पारुष्यम्

37. रघुवंशस्य चतुर्दशसर्गस्य नाम किम् ?

(1) सीतापवाद: (2) सीतापरित्याग:

(3) श्रीराममनस्ताप: (4) सीतावनवास:

38. 'अतिदुर्धरो बान्धवस्नेह: सर्वप्रमाथी' – हर्षचरिते इयमुक्तिर्भवति –

(1) प्रभाकरवर्धनस्य (2) हर्षवर्धनस्य

(3) भण्डिन: (4) यशोमत्या:

www.examrace.com

39. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां मेलनतालिकां चिनुत –

(a)	अनङ्गोऽयमनङ्गत्वमद्य निन्दिष्यति ध्रुवम्	(i)	उत्तररामचरितम्
(b)	उदेति पूर्वं कुसुमं ततः फलम्	(ii)	कादम्बरी
(c)	प्रभवति शुचिर्बिम्बग्राहे मणिर्न मृदादयः	(iii)	रत्नावली
(d)	न हि क्षुद्रनिर्घातपाताभिहता चलति वसुधा	(iv)	अभिज्ञानशाकुन्तलम्

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

40. 'अखण्डेषु कारणेषु फलावचः' – कस्य अलङ्कारस्य लक्षणम् ?

(1) विशेषोक्तेः
(2) विभावनायाः
(3) समासोक्तेः
(4) वक्रोक्तेः

41. 'शिखरिणि क्व नु नाम कियच्चिरं,
किमभिधानमसावकरोत्तपः ।' इत्यादि – श्लोकः ध्वन्यालोके उदाहरणरूपेण उल्लिखितः –

(1) अविवक्षितवाच्य-प्रसङ्गे
(2) अप्रस्तुतप्रशंसालङ्कारप्रसङ्गे
(3) विवक्षितान्यपरवाच्य-प्रसङ्गे
(4) दीपकालङ्कारप्रसङ्गे

42. कालक्रमानुसारं तालिकां चिनुत –

(i) अप्पयदीक्षितः (ii) भरतः (iii) विश्वनाथकविराजः (iv) वामनः

(1) (ii) (iv) (iii) (i)
(2) (ii) (iv) (i) (iii)
(3) (ii) (i) (iii) (iv)
(4) (i) (ii) (iv) (iii)

43. 'प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः,
प्रारभ्य विघ्नविहताः विरमन्ति मध्याः ।' – मुद्राराक्षसे कस्येयमुक्तिः ?

(1) विराधगुप्तस्य
(2) चाणक्यस्य
(3) राक्षसस्य
(4) चन्द्रगुप्तस्य

44. 'सिद्धेर्भ्रान्तिर्नास्ति सत्यं तथापि
स्वेच्छाचारी भीत एवास्मि भर्तुः ।'
इत्युक्तिः रत्नावल्यां केन सम्बद्धा ?

(1) उदयनेन
(2) वसन्तकेन
(3) बाभ्रव्येण
(4) यौगन्धरायणेन

www.examrace.com

45. दशरूपकानुसारं –

‘बीजवन्तो मुखाद्यर्था विप्रकीर्णा यथायथम् ।

ऐकार्थ्यमुपनीयन्ते’ इत्यादिलक्षणं भवति –

(1) मुखसन्धेः (2) गर्भसन्धेः

(3) निर्वहणसन्धेः (4) प्रतिमुखसन्धेः

46. ‘प्रशंसात उन्मुखीकरणं’ दशरूपके कस्य लक्षणं भवति ?

(1) भारत्याः (2) वीथ्याः

(3) प्ररोचनायाः (4) प्रहसनस्य

47. तर्कसङ्ग्रहदीपिकानुसारं ‘परमाणुष्वेव पाको, न द्व्यणुकादावपी’ति केषाम्मते ?

(1) नैयायिकानाम् (2) वैशेषिकानाम्

(3) साङ्ख्यानाम् (4) वेदान्तिनाम्

48. तर्कसङ्ग्रहानुसारम् आत्ममात्रविशेष-गुणेषु कस्य परिगणनं नास्ति ?

(1) बुद्धेः (2) इच्छायाः

(3) स्थिति-स्थापकसंस्कारस्य (4) धर्मस्य

49. तर्कभाषानुसारं प्रमायाः करणं किम्भवति ?

(1) प्रमाता (2) प्रमेयम्

(3) तर्कः (4) इन्द्रियसंयोगादिः

50. ‘व्याप्यस्य पक्षवृत्तित्वधीः’ किमुच्यते ?

(1) पक्षता (2) सपक्षः

(3) परामर्शः (4) व्याप्तिः

51. ‘मही मित्रस्य वरुणस्य माया चन्द्रेव भानुं विदधे पुरुत्रा’ इति मन्त्रांशो वर्तते –

(1) उषस्सूक्ते (2) कालसूक्ते

(3) वरुणसूक्ते (4) पर्जन्यसूक्ते

52. ऋग्वेदीय - पर्जन्यसूक्तस्य कः ऋषिरस्ति ?

(1) विश्वामित्रः (2) गौतमः

(3) अत्रिः (4) कण्वः

www.examrace.com

53. यजुर्वेदीय - शिवसंकल्पमन्त्राणां का देवता ?

(1) मनस्
(2) शिव:
(3) संकल्प:
(4) विष्णु:

54. ऋग्वेदप्रातिशाख्यानुसारं रक्त-संज्ञका के सन्ति ?

(1) कण्ठ्यवर्णा:
(2) अयोगवाहा:
(3) निरनुनासिकवर्णा:
(4) अनुनासिकवर्णा:

55. 'तिस्र एव देवता:' इति कथनमस्ति –

(1) निरुक्ते दैवतकाण्डे
(2) ऋक्प्रातिशाख्ये
(3) निरुक्ते द्वितीयेऽध्याये
(4) अथर्ववेदे राष्ट्राभिवर्धनसूक्ते

56. जन्मादयो विकारा: ब्रह्मण: कां शक्तिमुपाश्रिता: भवन्ति ?

(1) आवरणशक्तिम्
(2) आध्यात्मिकीं शक्तिम्
(3) कालशक्तिम्
(4) भिन्नात्मिकां शक्तिम्

57. अत्रातीतविपर्यास: केवलामनुपश्यति ।
छन्दस्यश्छन्दसां योनिमात्मा छन्दोमयीं तनुम् ।।
अस्यां कारिकायाम् 'छन्दस्य:' इत्यस्य शब्दस्य कोऽर्थ: ?

(1) वेदार्थग्रहणसमर्थ:
(2) स्वतन्त्र:
(3) वैदिकछन्दसां निर्माता
(4) वैदिकछन्दसां प्रयोगे निष्णात:

58. स्फोट: भेदवान् कथं प्रतीयते ?

(1) भिन्नद्रव्यानाम् अभिव्यक्तिसाधनात्
(2) भिन्नोच्चारणात्
(3) भिन्नार्थेषु प्रयोगात्
(4) नादस्य क्रमजन्मत्वात्

59. एषूदाहरणेषु वैषयिकाधारस्योदाहरणं किमस्ति ?

(1) मोक्षे इच्छाऽस्ति
(2) कटे आस्ते
(3) स्थाल्यां पचति
(4) सर्वस्मिन्नात्मास्ति

60. पाणिनीयशिक्षानुसारम् उदात्तस्वरोच्चारणकाले हस्त: कुत्र निधेय: ?

(1) हृदि
(2) कर्णमूले
(3) सर्वास्ये
(4) मूर्ध्नि

www.examrace.com

61. व्यासभाष्यानुसारेण का उक्तिः सत्या ?

(1) चित्तं हि प्रख्याप्रवृत्तिस्थितिशीलत्वात् त्रिगुणम् ।

(2) चित्तवृत्तीनां निरोधः असाध्यः ।

(3) सर्ववृत्तिनिरोधे सम्प्रज्ञातः समाधिः ।

(4) चित्तवृत्तिबोधे पुरुषस्य अनादिः सम्बन्धः न हेतुः।

62. ब्रह्मसूत्रस्य रचयिता कोऽस्ति ?

(1) शङ्कराचार्यः (2) बादरायणः

(3) कपिलः (4) सदानन्दः

63. शब्दप्रमाणस्य फलं किम्भवति ?

(1) पदज्ञानम् (2) वाक्यार्थज्ञानम्

(3) शक्तिज्ञानम् (4) पदजन्यपदार्थस्मरणम्

64. न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्यां साध्यशून्यो यत्र पक्षस्त्वसौ क उदाहृतः ?

(1) विरुद्धः (2) बाधः

(3) अनैकान्तिकः (4) सत्प्रतिपक्षः

65. बौद्धदर्शने भावनाचतुष्टये किं नोपदिष्टम् ?

(1) सर्वं क्षणिकं क्षणिकम् (2) स्वलक्षणम् स्वलक्षणम्

(3) सामान्यम् सामान्यम् (4) शून्यं शून्यम्

66. 'शयिता सविधेऽप्यनीश्वरा सफलीकर्त्तुमहो मनोरथान् ।' –

पण्डितराजजगन्नाथेन कस्य काव्यस्य उदाहरणरूपे उद्धृतोऽयं श्लोकः ?

(1) अधमस्य (2) उत्तमोत्तमस्य

(3) उत्तमस्य (4) मध्यमस्य

67. 'उपकारकत्वादलङ्कारः सप्तममङ्गम्' इति यायावरीयः । उक्तिरियं कुत्रास्ति ?

(1) नाट्यशास्त्रे (2) काव्यप्रकाशे

(3) काव्यमीमांसायाम् (4) वक्रोक्तिजीविते

www.examrace.com

68. वक्रोक्तिजीवितानुसारं कविव्यापारवक्रत्वप्रकाराः कति सम्भवन्ति ?

(1) त्रयः (2) चत्वारः

(3) पञ्च (4) षट्

69. काव्यप्रकाशानुसारं शृङ्गारे द्रुतिकारणम् आह्लादकत्वं कस्य ?

(1) माधुर्यस्य (2) ओजसः

(3) प्रसादस्य (4) समतायाः

70. पण्डितराजजगन्नाथमते काव्यस्य कति भेदाः स्वीकृताः ?

(1) त्रयः (2) द्वौ

(3) चत्वारः (4) पञ्च

71. ब्राह्मीलिपेः उद्वाचने प्रथमाम् सफलतां कः प्राप्तवान् ?

(1) मैक्समूलरः (2) विलियम जोन्सः

(3) जेम्स प्रिंसेपः (4) व्हिटने

72. अशोकस्य शिलालेखानां भाषा का अस्ति ?

(1) प्राकृतम् (2) संस्कृतम्

(3) अपभ्रंशः (4) अवेस्ता

73. कुत्र अशोकस्य नाम प्रदत्तम् ?

(1) मास्कि – शिलालेखे (2) प्रयाग – स्तम्भ-लेखे

(3) गिरनार – शिलालेखे (4) कान्धार – द्विभाषी – शिलालेखे

74. गिरनारस्य तडागेन सम्बद्धो नासीत् –

(1) चन्द्रगुप्तः मौर्यः (2) अशोकः मौर्यः

(3) कनिष्कः कुषाणः (4) रुद्रदामा शकः

75. अत्र वर्तते कालिदासस्य नामोल्लेखः –

(1) तन्तुवाय – श्रेण्याः मन्दसौर – शिलालेखे (2) प्रभावतीगुप्तायाः पूना – ताम्रपट्ट-लेखे

(3) पुलिकेशिद्वितीयस्य एहोले – शिलालेखे (4) मिहिरभोजस्य ग्वालियार – शिलालेखे

www.examrace.com

Space For Rough Work

Exam Race

www.examrace.com